पंचायत राज दिवस

रिपोर्ट

दिनांक - 24-04-2023 स्थान - भूगोल विभाग

आज दिनांक 24 अप्रैल, 2023 को 14वें राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के अवसर पर राजनीति विज्ञान विभाग और भूगोल विभाग के संयुक्त तत्वावधान में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विषय प्रवर्तन करते हुए भूगोल विभाग के प्रभारी डॉ. गौरव यादव ने कहा कि भारत में पंचायती राज संस्थाओं परी का निर्माण करने वाले संवैधानिक संशोधन को चिन्हित करने के लिए हर वर्ष 24 अप्रैल को भारत में राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस मनाया जाता है परी भारत में केंद्र और राज्य सरकारों के बाद शासन का तीसरा स्तर है और ग्रामीण क्षेत्रों में स्थानीय स्तर के शासन के लिए जिम्मेदार है यह दिन 73 में संवैधानिक संशोधन - 1992 को 24 अप्रैल 1993 में लागू किया गया था। 24 अप्रैल, 1993 के दिन को भारत में पंचायती राज प्रणाली की स्थापना का प्रतीक माना जाता है। इसलिए प्रत्येक वर्ष 24 अप्रैल को पंचायती राज दिवस मनाया जाता है।

कार्यक्रम में बीए प्रथम सेमेस्टर के छात्र विसेंद्र कुमार ने बताया कि गांवों में पंचायत राज व्यवस्था के आ जाने से गांवों की तस्वीर बदली है। एमए की छात्रा समीक्षा यादव ने बताया कि 73वें संवैधानिक संशोधन के द्वारा महिलाओं को पंचायत की सभी संस्थाओं में 33% आरक्षण दिया गया है इस आरक्षण से महिलाओं की पंचायत में राजनीतिक भागीदारी सुनिश्चित हुई है इससे उनका राजनीतिक सशक्तीकरण हुआ है।

मुख्य वक्ता राजनीति विज्ञान विभाग के विभाग प्रभारी डॉ. नमो नारायण ने बताया कि पंचायती राज दिवस 2023 की इस बार की थीम टिकाऊ पंचायत स्वास्थ्य पर्याप्त जल स्वच्छ और हरित गांव का निर्माण है। राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस - 2023 की थीम 'टिकाऊ पंचायत: स्वास्थ्य, पर्याप्त जल स्वच्छ और हरित गांवों का निर्माण ' है। थीम का उद्देश्य स्वच्छ पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करके अच्छी स्वास्थ्य सुविधाओं को बढ़ावा देने तथा स्वच्छ और हरित वातावरण बनाकर ग्रामीण क्षेत्रों में सतत विकास को बढ़ावा देने पर केंद्रित है। डॉ. नमो ने बताया कि भारत में पंचायती राज व्यवस्था का एक लंबा इतिहास है जो प्राचीन काल से चला रहा है। पंचायत शब्द संस्कृत के शब्द पंच जिसका अर्थ है पांच और आयत जिसका अर्थ है 'सभा' से मिलकर बना है। भारत में पंचायत की व्यवस्था लगभग 300 ईसा पूर्व मौर्य काल में प्रचलित थी इस अवधि के दौरान प्रशासन विकेंद्रीकृत था और स्थानीय स्वशासन आदर्श था। राजनीति विज्ञान के प्राध्यापक डॉ. सुनील कुमार ने बताया कि आधुनिक भारत में पंचायती राज व्यवस्था पहली बार 1959 में जवाहरलाल नेहरू के द्वारा नेतृत्व वाली सरकार द्वारा शुरू की गई थी 2 अक्टूबर, 1959 को गांधी जयंती के शुभ अवसर पर नागौर राजस्थान में पंचायती राज व्यवस्था का शुभारंभ हुआ था। 1993 तक भारतीय संविधान में 73 वें संशोधन के माध्यम से इस

प्रणाली को संवैधानिक दर्जा दिया गया। संशोधन में गांव ब्लॉक और जिला स्तर पर परी की त्रिस्तरीय प्रणाली की स्थापना को अनिवार्य किया गया।

डॉ. मलिखान सिंह ने कहा कि पंचायती राज दिवस महत्वपूर्ण है क्योंकि यह भारत में जमीनी स्तर के लोकतंत्र और स्थानीय स्वशासन के महत्व पर प्रकाश डालता है। डॉ. विजय वर्धन ने कहा कि परी ग्रामीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और स्थानीय स्तर पर सरकारी योजनाओं और कार्यक्रमों को लागू करने के लिए जिम्मेदार हैं। डॉ. स्वेता यादव ने कहा कि पंचायती राज व्यवस्था में निर्णय लेने की प्रक्रिया में महिलाओं और समाज के हाशिए पर रहने वाले वर्गों की भागीदारी सुनिश्चित हुई है। कार्यक्रम के इस शुभ अवसर पर भूगोल, राजनीति विज्ञान तथा अन्य विषयों के उपस्थित रहे छात्र-छात्राओं ने भी अपने विचार साझा किए।

(1) प्रो॰ राजेश चन्द्र पाण्डेय (प्राचार्य) — [signature]
(2) डॉ॰ गौरव यादव — [signature]
(3) डॉ. नमो नारायण — [signature]
4- विजय वर्धन [signature]
5- डॉ॰ मलिखान सिंह — [signature]
6- डॉ॰ श्वेता कुशवाहा - [signature]
(7) सुनील कुमार Sunilkumar

- रिया तिवारी B.A. IVsem [signature]
- अभिषेक B.A. अभिषेक
- Ritu Yadav B.A Ritu
- Nainey Soni B.A Naincy
- Mahak Mishra B.A महक मिश्रा
- ABHISHEK B.A Abhishek
- रवि यादव B.A. रवि यादव
- Mayank B.A Mayank
- Kapil B.A Kapil
- Snehapanwar BA Snehapanwar
- Richa B.A Richa
- Khushboo BA. Khushboo.
- Sndhi B.A [signature]

15-	निकिता वर्मा	B.A	निकिता वर्मा
16-	Ram Rajpoot	B.A	Ras
17	राजकुमार	B-A	राज कुमार
18-	Gauri	B.A.	Gauri
19	Nikki Singh	B.A.	[illegible]
20	Rohit Kumar	B.A.	[illegible]
21.	Tanya Patel	B.A.	Tanya.
22.	Deepshikha	B.A.	[illegible]
23-	Deeksha Panchal	B.A	Deeksha Panch
24.	Saurabh Verma	B.A-	Saurabh
25.	Abhishek Sachan	B.A.	Abhishek
26 →	Varun Saxena	B.A	Varun.
27 →	Upavan Pratap	B.A.	Upavan P.
28 →	Raghvan Pratap	B.A	Rag
29-	Neeraj Kumar	B.A	Neeraj
30-	Kashish Khan	B.A	Kashish
31.	Deeksha Patel	B.A	Deeksha
32.	Parul	B.A	Parul
33	Ruchi kaushik	B.A	Ruchi kaushik
34	Deepa	B.A	Deepa.
35	Sonam yadav	B.A	Sonam yadav.
35.	वीरेन्द्र कुमार	B.A.	Virendra
36	Abhishek Kumar	M.A (Pol.Sc.)	Abhishek
37	Samiksha Yadav	M.A (Geo)	Samiksha

7.1.9

रिपोर्ट

संविधान दिवस

दिनांक : 26 नवम्बर, 2022

आजादी के अमृत महोत्सव के तहत और शासन के निर्देशानुसार आज दिनांक 26 नवंबर 2022 को संविधान निर्माण के दिवस को ध्यान में रखते हुए संविधान दिवस पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत भूगोल विभाग के विभाग प्रभारी व मुख्य अनुशासन अधिकारी डॉ. गौरव यादव, राजनीति विज्ञान विभाग के विभाग प्रभारी डॉ. नमो नारायण, भूगोल के प्राध्यापक श्री विजय वर्धन, सुश्री श्वेता यादव के द्वारा की गई। कार्यक्रम के प्रारंभ में भारतीय संविधान की प्रस्तावना का वाचन उपस्थित विद्यार्थियों के कराया गया तत्पश्चात विद्यार्थियों के द्वारा संविधान के मूल्यों और प्रावधानों पर विचारों का प्रस्तुतीकरण किया गया। बी ए प्रथम वर्ष के प्रथम सेमेस्टर की छात्रा प्रिंसी ने संविधान के निर्माण के महत्व पर प्रकाश डाला प्रिंसी ने बताया कि जब संविधान नहीं था तब हम सबका जीवन कैसा था? संविधान के तहत मिले अधिकारों से हम सबको व्यक्तित्व विकास के अवसर मिले है। साथ ही संविधान के अनुच्छेद 21 में वर्णित जीवन के अधिकार व अनुच्छेद 32, 226 में दिए गए रिट के अधिकार के महत्व पर भी प्रकाश डाला गया। डॉ. नमो नारायण ने बताया कि सन् 2015 को तत्कालीन भारत सरकार के द्वारा प्रत्येक वर्ष 26 नवंबर को 'संविधान दिवस' मनाने की घोषणा की गई। डॉ. गौरव यादव ने बताया कि संविधान सरकार को क्या करना चाहिए और क्या नहीं करना चाहिए ....? यह बताता है। कोई भी राजनीतिक दल सत्ता पक्ष में हो अथवा विपक्ष में, संविधान का उल्लंघन नहीं कर सकता। उन्होंने बताया कि जब प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी थी तब देश में आपातकाल लागू किया गया और इस दौरान संविधान में बड़े बदलाव किए गए जिसे जनता में स्वीकार नहीं किया और प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी व उनकी पार्टी चुनाव में बुरी तरह से हार गई। साथ ही शिक्षक शिक्षा विभाग में डॉ. शैलजा गुप्ता डॉ. राजेश पालीवाल, डॉ. शशि तिवारी, डॉ. बृजेंद्र, डॉ. जितेंद्र जी के निर्देशन में सभी विद्यार्थियों ने संविधान की प्रस्तावना का वाचन किया और संविधान के मूल्यों पर चर्चा परिचर्चा की गई।

25.11.22

Date / /
Page

10/10

डा० मशिरवान सिंह
विजयवर्धन
डा. नमोनारायण —
डा. गौरव यादव —
रवेश यादव —
डॉ० कृष्ण कुमार त्रिपाठी —
डॉ० बिजेन्द्र कुमार
डॉ० सुरेन्द्र मोहन यादव
डॉ० सर्वेश कुमार शाण्डिल्य
डॉ० माधुरी रावत
डॉ० वर्षा राहुल
डॉ० अतुल बघौलियां
डॉ० शैलजा गुप्ता
डॉ० शाक्षी तिवारी

1.	Harsh Vardhan	M.A. IInd Sem	[signature]
2 -	Akash Siddharth	M.A IInd Sem	Akash
3-	Gauri	B.A. VIth Sem	Gauri
4.	Tanya Patel	B.A VIth Sem	Tanya.
5	Deepshikha	B.A VIth Sem	Deepsh
6.	Raj kumar	B.A VIth Sem	Raj kumar
7.	Saurabh verma	B.A. VI Sem	Saurabh
8	Kajal	M.A. IInd Sem	Kajal
9	Varsha kumari kushwah	MA IInd Sem	Varsha
10	Paras Gupta	M.A. IInd sem	Gupta
11	Harsh Vardhan	M.A. IInd Sem	Harsh
12	Himanshu Rajpoot	B.A. IInd Sem	[signature]
13	Sonali	B.A IInd Sem	Sonali
14	Deepmala	B.Sc IInd Sem	Deepmala
15	Riya Patel	B.A VI sem	Riya Patel

[illegible]-	Saumya Singh	M.A	[illegible]
19-	शिवानी सिंह	M.A	शिवानी सिंह
20-	Satyam Mishra	M.A	[illegible]
21-	Lanni Singh	M.A	Lanni
22-	Ankita Patel	B.A.	Ankita
23.	Naushin	B.A	Naushin
24-	Alisha	B.A	Alisha
25-	Saurabh Pathak	B A	Saurabh Pathak
26	Ashish Kumar	B.A	AKumar
(27)	Shailendra Verma	B.Sc	Shailendra
(28)	Harsh Tiwari	MA.	Harsh Tiwari

7.1.8
7.1.9

दिनाँक - 04 फरवरी 2023

विषय - अन्तर्राष्ट्रीय मानव बंधुत्व दिवस (International Day of Human Fraternity) के अवसर पर संगोष्ठी का आयोजन।

आज 04 फरवरी को परिषद द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय मानव बंधुत्व दिवस [illegible] एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य छात्र-छात्राओं में विभिन्न संस्कृतियों, धर्मों या विश्वासों में जागरूकता बढ़ाना और सहिष्णुता को बढ़ावा देना है।

संगोष्ठी की शुरुआत करते हुए परिषद संयोजक डॉ. नगमा खानम ने इस दिन के इतिहास पर प्रकाश डालते बताया कि मानव बंधुत्व का पहला अन्तर्राष्ट्रीय दिवस [illegible] आयोजित किया गया था। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने था [illegible] 2020 को 4 फरवरी को मानव बंधुत्व दिवस के रूप [illegible] करने के लिए एक प्रस्ताव अपनाया। यह दिवस विश्व धार्मिक सद्भाव सप्ताह का एक हिस्सा है, जिसे फरवरी [illegible] सप्ताह के दौरान के दौरान मनाया जाता है, जैसा कि [illegible] में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा घोषित किया गया था।

संगोष्ठी में उपस्थित अर्थशास्त्र विभाग प्रभारी डॉ. वर्षा राहुल ने कहा कि आज की दुनिया में असहिष्णुता, शत्रुता और संघर्ष बढ़ रहा है, लोगों के [illegible] अनिवार्य है कि वे सभी मानवता द्वारा साझा किए गए सामान्य मूल्यों को याद रखें और अधिक शान्तिपूर्ण और सामंजस्यपूर्ण दुनिया की ओर अग्रसर हों। इस को आगे बढ़ाते हुए डॉ. नीता गुप्ता ने कहा कि इन्हें पहले से कहीं अधिक - मानवता के लिए सभी [illegible] के बीच संवाद से बेहतर जागरूकता और समझ को योगदान की आवश्यकता है।

डॉ. कृपा शंकर यादव ने जोर देते हुए कहा यह स्वीकार करना चाहिए कि सहिष्णुता, बहुलवादी परम्परा, सम्मान, धर्मों और विश्वासों की विविधता मानव बंधुत्व [illegible] बढ़ावा देती है। इस प्रकार यह जरूरी हो जाता है कि शान्ति और सामाजिक स्थिरता को बढ़ाने के लिए [illegible] के साथ क्षेत्रीय समझ के लिए अनुकूल

इस अवसर पर परिषद से सम्बन्धित कई पदाधिकारी एवं स्नातक छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे जिन्होंने उपस्थित वक्ताओं से प्रश्न पूछकर अपनी जिज्ञासाओं को शान्त किया।

संगोष्ठी के अन्त में परिषद के सह-संयोजक श्री सुनील कुमार जी ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के संकल्प 75/200 पर चर्चा करते हुए संगोष्ठी में आए हुए अतिथि वक्ताओं का आभार व्यक्त किया।

अतिथि वक्ता
डॉ० वर्षा राहुल Vibul
डॉ० नीता गुप्ता
डॉ० कृपा शंकर यादव

उपस्थित छात्र-छात्राएँ
माया देवी
प्रियंका यादव
Sneha Kaushik
Krishan kant Verma
Mahak Mishra
Kajal
रोशनी
Pooja
Jyoti
Aashi yadav
अंशुल
Rashi Dixit

Sunil Kumar
श्री सुनील कुमार
सह संयोजक
राजनीति विज्ञान परिषद

डॉ० नगमा खानम
संयोजक
राजनीति विज्ञान परिषद

7.1.9
7.1.9

दिनाँक - 10 दिसम्बर 2022

विषय - अन्तर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस के परिचर्चा का आयोजन।

आज 10 दिसम्बर को परिषद की ओर से मुद्दों जैसे वर्तमान मे मानवाधिकार ... चार्टर मे मानवाधिकार, भारत में मानवा... आयोग के कार्यो की समीक्षा जैसे ... गई।

इस अवसर पर परिषद के अध्यक्ष नीरज ... अधिकार मानव के विशेष अस्तित्व के का... इसलिए ये जन्म से ही प्राप्त होते है। ... आधारभूत अधिकार, अन्तर्निहित अधिकार भी कहा जाता है।

वही परिषद की उपाध्यक्ष रोशनी ... कि भारत के संविधान मे मानवाधिकार ... व्यक्त किया गया है। तथा सभी नागरि... सिविल, आर्थिक, सामाजिक, धार्मिक त... प्रदान किया गया है। इन अधिकारो को मूलाधिकार शीर्षक के अन्तर्गत रखा गया ... के अनुच्छेद 14, 15(1), 19(1) क) 19(1) ख ... जिनमे मानवाधिकारो के सम्बन्ध मे उ... इस परिचर्चा के दौरान ... विचार रखते हुए कहा कि महिलाओं प... उन पर घरेलू हिंसा, वेश्यावृत्ति बलात्कार ... ने पूरा ध्यान दिया है। मीडिया ने ... गंभीर प्रकरणों को जुझारूपन से उठा... प्रस्तुत किया। जिससे सरकार की नीं... न्याय भी मिला। शुभाली के विचारो ... नेहा ने कहा मानवाधिकार आयोग ने ... कि उसे लगभग 30% गम्भीर ... मीडिया के माध्यम से ही मिलती ... दौरान देवराज, शिवम, सुगरा, शिवांशु ...

...ना - जिज्ञासाएं व्यक्त कीं।

इन जिज्ञासाओं को शान्त करते हुए परिषद संयोजक डॉ॰ नगमा खानम ने कहा कि विश्व स्तर पर मानवाधिकारों के सन्दर्भ में बढ़ती जागरूकता को देखते हुए हमारे देश में मानवाधिकार-आयोग का गठन किया गया। राष्ट्रीय स्तर के इस आयोग को कई अधिकार दिये गये हैं। आयोग न्यायालय की उस कार्यवाही में हस्तक्षेप कर सकता है, जो मानवाधिकार के उल्लंघन से सम्बन्धित है लेकिन आयोग द्वारा यह कार्य न्यायालय की अनुज्ञा से ही किया जा सकता है।

चर्चा को आगे बढ़ाते हुए श्री सुनील कुमार जी ने कहा कि अभी आयोग को काम करते हुए कुछ वर्ष ही हुए हैं और अपनी सीमित स्वायत्ता के बावजूद इसने प्रगति की है। विभिन्न कारणों से मुकदमों के निपटारे में देर और जेल प्रशासन के कुप्रबंधन से ये त्रुटियां और गम्भीर हो जाती हैं, जिसमें सुधार किये जाने की जरूरत है।

इस प्रकार गम्भीर मुद्दों ~~के साथ~~ पर विचार-विमर्श के साथ यह चर्चा समाप्त हुई।

छात्र-छात्राओं की उपस्थिति

(11) Shubhali Dubey

[signatures]

Ravi

Raj

... Singh Gurjar

... Kushwaha

Sunil Kumar (signature)

श्री सुनील कुमार
सह संयोजक

डॉ॰ नगमा खानम
संयोजक